Fourth Five Year Plan will depend on the outlays finally approved for the Plan.

SUPPLY OF FOODGRAINS TO STATES

1538. SHRI A. SREEDHARAN :
SHRI K. LAKKAPPA :

Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether Government have assessed the quantity of foodgrains to be supplied to the various States during the months from September, 1968 to January, 1969; and

(b) if so, the State-wise break-up of the assessment ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION (SHRI ANNASAHIB SHINDE) : (a) and (b). Allotments of foodgrains from the Central Pool to the various States are made from month to month and the quantum of supplies is determined on the basis of the overall availability with the Centre and the requirements of each State. No advance assessment of the supplies to be made in December, 1968 and January, 1969 has been made. A Statement showing the actual supplies of foodgrains to each State in September and October plus the allotments made for November is, however, attached.

STATEMENT

State	*Quantity* (in '000 tonnes)
1. Andhra Pradesh	79
2. Assam	56
3. Bihar	103
4. Gujarat	113
5. Haryana	14
6. Jammu & Kashmir	22
7. Kerala	237
8. Madhya Pradesh	10
9. Maharashtra	390
10. Madras	105
11. Mysore	105
12. Nagaland	5
13. Orissa	34
14. Punjab	38
15. Rajasthan	63
16. Uttar Pradesh	83
17. West Bengal	369

मध्य प्रदेश में काम दिलाऊ दफ्तर

1539. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या श्रम तथा पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश में इस समय कितने काम दिलाऊ दफ्तर हैं और उनमें कितने राजपत्रित अधिकारी काम कर रहे हैं; और

(ख) इन काम दिलाऊ दफ्तरों में जनवरी, 1968 से अब तक कितने व्यक्तियों ने अपना नाम रजिस्टर करवाया ?

श्रम, रोजगार तथा पुनर्वास मंत्रालय में उपमंत्री (श्री सं० चु० जमीर) : (क) रोजगार दफ्तरों की संख्या 52
राजपत्रित अधिकारियों की संख्या 64

(ख) जनवरी, 1968 से सितम्बर, 1968 के बीच रोजगार दफ्तरों में नाम दर्ज करवाने वालों की संख्या 2,17,982 थी।

भूतपूर्व सैनिकों के लिए कृषि भूमि

1541. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या खाद्य तथा कृषि मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1 जनवरी, 1965 से 30 मई, 1967 तक की अवधि में विभिन्न राज्यों में ऐसे कितने भूतपूर्व सैनिकों ने, जो वैतनिक पदों पर कार्य कर रहे हैं, कृषि भूमि के लिए आवेदन पत्र दिये ;

(ख) क्या सरकार कृषि भूमि देने से पहले उनके सैनिक सेवा के रिकार्डों की जांच करती है अथवा ऐसे लोगों को भी उपरोक्त श्रेणी में सम्मिलित किया जाता है जिन्हें उनका कार्यकाल पूरा होने से पहले किसी न किसी कारण नौकरी से निकाल दिया जाता है; और

(ग) विभिन्न राज्यों तथा केन्द्रीय सरकार द्वारा भूतपूर्व सैनिकों को, पद-वार, भूमि देने के लिए कितनी भूमि नियत की गई है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री श्री अन्नासाहिब शिन्दे) : (क) से (ग) : अपेक्षित जानकारी उपलब्ध नहीं है और इकट्ठी की जा रही है।

तिब्बत और पाकिस्तान से आये शरणार्थी

1542. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या श्रम तथा पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत छः वर्षों में तिब्बत और पाकिस्तान से कितने शरणार्थी भारत आये ;

(ख) इस समय देश में विस्थापित व्यक्तियों के लिये कितने शिविर विद्यमान हैं;

(ग) उपरोक्त अवधि में इन शिवरों की स्थापना तथा उन्हें चलाने पर प्रति वर्ष सरकार द्वारा कितनी धनराशि खर्च की गई; और

(घ) क्या इन शिवरों का व्यय राज्य सरकार देती है या केन्द्रीय सरकार अथवा दोनों सरकारें मिल कर इसे वहन करती हैं ?

श्रम, रोजगार तथा पुनर्वास मंत्रालय में उप मंत्री (श्री डु० रा० चव्हाण) : (क) दिसम्बर, 1967 में समाप्त होने वाले 6 वर्षों के अन्तर्गत तिब्बत से 5335 व्यक्ति तथा पाकिस्तान से 8,73,398 व्यक्ति शरणार्थियों के रूप में भारत आये थे। इस के अतिरिक्त वर्ष 1968 में 31 अक्तूबर तक 190 व्यक्ति तिब्बत से तथा 9352 व्यक्ति पाकिस्तान से शरणार्थियों के रूप में भारत आये।

(ख) इस समय तिब्बत से आने वाले शरणार्थियों के लिये 14 सहायता शिविर सहित पुनर्वास केन्द्र हैं और पूर्वी पाकिस्तान से आये नये प्रव्रजकों के लिये 34 सहायता शिविर हैं। 1964 में पूर्वी पाकिस्तान से हुये प्रवाह के फलस्वरूप, लगभग 105 सहायता शिविर पूर्वी पाकिस्तान से आये प्रव्रजकों के लिये स्थापित किये गये थे। उन में से अधिकांश बन्द कर दिये गये हैं। विभिन्न राज्यों में चालू की गई पुनर्वास योजनाओं परियोजनाओं में अब तक पूर्वी पाकिस्तान से आये प्रव्रजकों के लगभग 37,000 परिवार बसा दिये गये हैं।

(ग) एक विवरण जिसमें जानकारी दी गई है सभा पटल पर रखा गया है। [**पुस्तकालय में रखा गया। देखिये** संख्या LT 2246/68]।

(घ) इन शिविरों पर होने वाला सारा व्यय केन्द्रीय सरकार द्वारा वहन किया जाता है।

CAMPS FOR REFUGEES

1543. SHRI HUKAM CHAND KACHWAI : Will the Minister of LABOUR AND REHABILITATION be pleased to state :

(a) the number of camps established for the refugees who came from Pakistan into India during the last ten years and the number of displaced persons kept there; and

(b) the number of persons out of them provided with employment and the number of displaced persons still living therein ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF LABOUR, EMPLOYMENT AND REHABILITATION (SHRI D. R. CHAVAN) : (a) No new camps were established for the refugees from Pakistan during the period from 1958-63. During this period the camps which existed in the Eastern Zone were gradually reduced in number and by the end of 1961-62 all the camps were closed.

With the new influx from East Pakistan from January, 1964, fresh camps had to be opened. The number of fresh camps which were opened varied from time to time according to the number of migrants who sought admission into such camps. The maximum number of camps which functioned was 105 during January/February, 1965. The number of displaced persons residing in camps like-wise varied